न्यूज़ टुडे

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा आदि के संबंध में समझौतों पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, दोनों पक्ष **रक्षा सहयोग और प्रौद्योगिकी साझाकरण के लिए फ्रेमवर्क समझौते** की दिशा में काम कर रहे हैं। इसमें **सतह-से-सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और पनडुब्बी निर्माण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण** शामिल हैं।

- भारत ने **आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI)** में शीघ्र शामिल होने के इंडोनेशिया के फैसले का भी स्वागत किया।
- उल्लेखनीय है कि **1950 में भारत के प्रथम गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति** ही मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

भारत-इंडोनेशिया द्विपक्षीय संबंध

- **राजनीतिक:** दोनों देश **बांडुंग सम्मेलन 1955** में शामिल हुए थे, जिसके परिणामस्वरूप गुटनिरपेक्ष आंदोलन (1961) की स्थापना हुई थी।
- व्यापार: वित्त वर्ष 2023-24 में दोनों देशों के बीच **29.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार** हुआ था।
- **सैन्य अभ्यास:** समुद्र शक्ति अभ्यास, भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्ती (IND-INDO CORPAT) अभ्यास आदि।

भारत के लिए इंडोनेशिया का महत्त्व

- **भू-आर्थिक:** इंडोनेशिया, आसियान में भारत का **दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** है।
  - भारत, इंडोनेशिया से मुख्य रूप से **कोयला, पाम ऑयल और रबड़ आयात** करता है।
  - भारत, इंडोनेशिया को मुख्य रूप से **रिफाइंड पेट्रोलियम, दूरसंचार उपकरण और कृषि उत्पाद निर्यात** करता है।
- **भू-राजनीतिक:** दोनों देश **ब्रिक्स (BRICS), G-20, इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA) और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन जैसे समूहों के सदस्य हैं।**
  - भारत की **एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) तथा इंडोनेशिया के ग्लोबल मैरीटाइम फलक्रम (Global Maritime Fulcrum) विज़न** में परस्पर समन्वय है। यह समन्वय भू-राजनीतिक संलग्नता को बढ़ावा देता है।
- **भू-रणनीतिक:** इंडोनेशिया रणनीतिक रूप से हिंद और प्रशांत महासागरों के बीच स्थित है। इसलिए, यह **भारत की सागर/ SAGAR (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा व विकास) पहल के लिए काफी महत्वपूर्ण** हो जाता है।
  - **सबंग (Sabang) पत्तन तक पहुंच भारत के लिए मलक्का जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित व्यापार** को सुनिश्चित करेगी। साथ ही, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने में भी मदद मिलेगी।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:** इंडोनेशिया की संस्कृति पर हिंदू धर्म का गहरा प्रभाव है। इंडोनेशिया की कला और लोक कथाओं में रामायण एवं महाभारत की गहरी छाप देखने को मिलती है, जिसने दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत बनाया है।

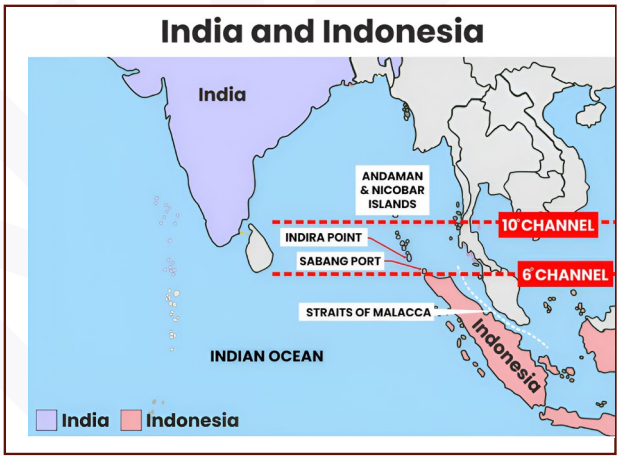

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने 'गाइडेंस ऑन अदर इफेक्टिव एरिया-बेस्ड कंजर्वेशन मेजर्स (OECMs) रिपोर्ट' जारी की

यह रिपोर्ट **भूमि, जल और तटीय क्षेत्रों के संरक्षण** के लिए OECMs के माध्यम से महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करती है।

- OECM पद **पहली बार 2010 में जैव विविधता कन्वेंशन (CBD) द्वारा स्थापित आईची जैव विविधता लक्ष्य में** प्रस्तुत किया गया था। इसकी आधिकारिक परिभाषा को **CBD ने 2018 में CoP-14** में अपनाया था।

अदर इफेक्टिव एरिया-बेस्ड कंजर्वेशन मेजर्स (OECMs) के बारे में

- **परिभाषा: ये संरक्षित क्षेत्रों के अलावा अन्य** भौगोलिक क्षेत्र होते हैं।
  - इसका **संचालन/ प्रबंधन जैव विविधता के स्व-स्थाने (इन-सिटू) संरक्षण के लिए दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त** करने हेतु किया जाता है। इनके तहत **संबद्ध पारिस्थितिकी-तंत्र के कार्यों और सेवाओं का संरक्षण** किया जाता है। साथ ही, जहां तक संभव हो **स्थानीय रूप से सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक-आर्थिक तथा अन्य प्रासंगिक घटकों का संरक्षण** करना भी शामिल होता है।
  - संरक्षित क्षेत्र के रूप में स्थापित या संरक्षित क्षेत्र के भीतर आने वाले क्षेत्र को **OECM के रूप में चिन्हित/ रिपोर्टिंग नहीं** की जाएगी।
- यह वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क के लक्ष्य 3 को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। इस लक्ष्य के तहत **2030 तक स्थलीय व अंतर्देशीय जल क्षेत्र और तटीय एवं समुद्री क्षेत्रों का कम-से-कम 30% संरक्षण** करना निर्धारित किया गया है।
- इनका संचालन **सरकारी एजेंसी, निजी समूह (जैसे NGOs), देशज लोगों, स्थानीय समुदायों या साझा व्यवस्था** द्वारा किया जा सकता है।

OECMs, संरक्षित क्षेत्रों से किस प्रकार अलग हैं?

- **संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन किसी निर्धारित क्षेत्र के भीतर जैव विविधता संरक्षण के प्राथमिक उद्देश्य** से किया जाता है, जैसे **लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए पर्यावासों का संरक्षण** करना।
- इसके विपरीत, OECMs को अलग-अलग उद्देश्यों के लिए प्रबंधित किया जा सकता है, जैसे **संरक्षण संबंधी परिणामों को हासिल करते हुए सांस्कृतिक या ऐतिहासिक महत्त्व वाले क्षेत्रों को संरक्षित** करना।

OECMs का महत्त्व

- **महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी-तंत्र, पर्यावासों और वन्यजीव गलियारों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।**
- **निम्नीकृत कृषि क्षेत्र, वन और चरागाह भूमि के पुनरुद्धार में मदद मिलती है।**
- **संकटग्रस्त प्रजातियों की पुनर्बहाली में मदद मिलती है।**
- **पारिस्थितिकी-तंत्र के कार्यों को बनाए रखने और पारिस्थितिकी-तंत्र की सेवाओं को सुनिश्चित करने में सहायक है जैसे कि-**
  - जल सोतों, जल निकायों व जलभृतों (Aquifers) का पुनरुद्धार और भूजल स्तर में सुधार;
  - कृषि जैव विविधता का संरक्षण और बढ़ावा, जिससे खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित होती है आदि।
- **खतरों का सामना करने की क्षमता में वृद्धि होती है।**
- **विकसित भू-परिदृश्यों में बिखरे हुए या अलग-थलग पारिस्थितिकी-तंत्र के हिस्सों को बनाए रखने और उन्हें जोड़ने में सहायता प्रदान करता है।**

इंदौर और उदयपुर विश्व की 31 'वेटलैंड सिटी एक्रेडिटेशन (WCA)' की सूची में शामिल हुए

इंदौर और उदयपुर, **वेटलैंड सिटी एक्रेडिटेशन (WCA) की वैश्विक सूची** में शामिल होने वाले **भारत के पहले दो शहर** बन गए हैं। यह सूची **आर्द्रभूमियों पर रामसर कन्वेंशन** के तहत है।

- **इंदौर:** सिरपुर झील नामक **रामसर साइट को जल पक्षियों की अधिक संख्या** के लिए मान्यता दी गई है। इस साइट को "**पक्षी अभयारण्य**" के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- **उदयपुर:** यह शहर पांच प्रमुख आर्द्रभूमियों- **पिछोला, फतेहसागर, रंग सागर, स्वरूप सागर और दूध तलाई** से घिरा हुआ है।

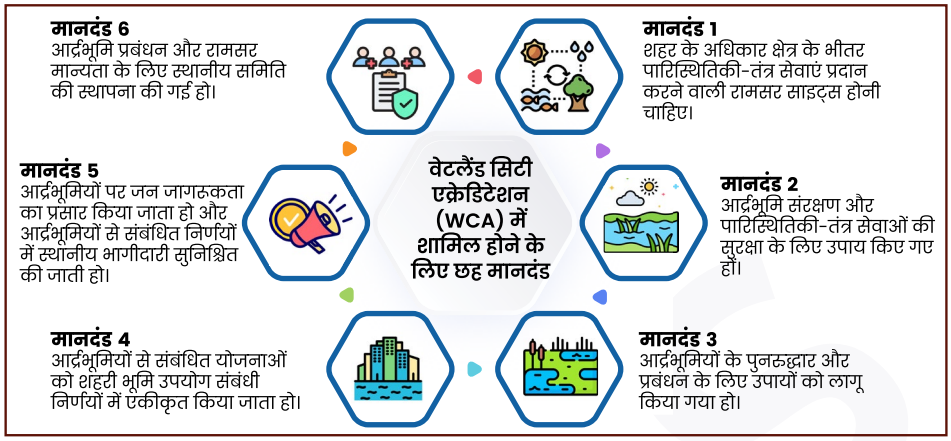

वेटलैंड सिटी एक्रेडिटेशन (WCA) के बारे में

- यह एक **स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली** है। यह अपनी **प्राकृतिक या मानव निर्मित आर्द्रभूमियों** को महत्त्व देने वाले शहरों को अपने प्रयासों के लिए अंतर्राष्ट्रीय पहचान और सकारात्मक प्रचार प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है
- इसे **उरुग्वे में रामसर कन्वेंशन (2015) के COP-12** में अनुमोदित किया गया था।
- यह **मान्यता 6 वर्षों के लिए वैध** होती है। इसे नवीनीकृत करने के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि शहर **सभी 6 मानदंडों को पूरा** करता रहे। (इन्फोग्राफिक देखिए)।

रामसर कन्वेंशन के बारे में

- यह एक **अंतर-सरकारी संधि** है। यह संधि आर्द्रभूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण तथा विवेकपूर्ण उपयोग के लिए फ्रेमवर्क प्रदान करती है।
- यह संधि **1971 में अपनाई** गई थी और **1975 में लागू** हुई थी।
- वर्तमान में **भारत में 85 रामसर साइट्स** हैं ।

वेटलैंड सिटी एक्रेडिटेशन का महत्त्व

- यह **शहरी और उप-शहरी आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं उनके विवेकपूर्ण उपयोग** को बढ़ावा देता है। साथ ही, यह स्थानीय आबादी के लिए **सतत सामाजिक-आर्थिक लाभ** भी सुनिश्चित करता है।
- यह मान्यता आर्द्रभूमियों के पास स्थित शहरों, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों के निकटस्थ और उन पर निर्भर शहरों को इन **अमूल्य पारिस्थितिक-तंत्रों के साथ अपने सकारात्मक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित** करती है।
- यह मान्यता **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) की अमृत धरोहर पहल** के कार्यान्वयन में मदद करेगी।

संशोधित वर्ल्ड मैग्नेटिक मॉडल के अनुसार, पृथ्वी का चुंबकीय उत्तरी ध्रुव साइबेरिया की ओर स्थानांतरित हो रहा है

वर्ल्ड मैग्नेटिक मॉडल (WMM) **नेविगेशन, दिशा (heading) और स्थिति संदर्भ प्रणालियों के लिए एक स्टैंडर्ड मॉडल** है। इन सुविधाओं के लिए यह मॉडल **पृथ्वी के भू-चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग** करता है।

- इस मॉडल को **हर पांच साल में अपडेट** किया जाता है, ताकि पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में **होने वाले परिवर्तनों के साथ इसे व्यवस्थित** किया जा सके।
- इसे **संयुक्त राज्य अमेरिका की नेशनल जियोस्पेशियल-इंटेलिजेंस एजेंसी (NGA) और यूनाइटेड किंगडम के डिफेंस जियोग्राफिक सेंटर (DGC)** द्वारा तैयार किया जाता है।

पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव का स्थानांतरण

- **चुंबकीय उत्तरी ध्रुव (मैग्नेटिक नॉर्थ)** वह दिशा है, जिस ओर **कम्पास की सुई तब इशारा करती है जब वह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के साथ संरेखित** होती है। वहीं **भौगोलिक उत्तर** (Geographic north) वह स्थान या बिंदु है, जहां **उत्तर में देशांतर रेखाएं (मध्याह्न रेखाएं) मिलती** हैं।
  - पृथ्वी के अपने अक्ष पर **पश्चिम से पूर्व** की ओर घूर्णन करने से दो प्राकृतिक संदर्भ बिंदु प्राप्त होते हैं, जो **उत्तरी ध्रुव एवं दक्षिणी ध्रुव** हैं।
- पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव की खोज सबसे पहले **1831 में अन्वेषक जेम्स क्लार्क रॉस** ने की थी। तब से, यह **धीरे-धीरे स्थानांतरित** हो रहा है।
  - बीते 100 वर्षों में, इसका स्थान **कनाडा से साइबेरिया (रूस) की ओर स्थानांतरित** हुआ है। 2000 के दशक में, यह **प्रति वर्ष 31 मील** तक खिसकने लगा था, लेकिन **पिछले पांच वर्षों में यह गति धीमी** हो गई है।
- चुंबकीय उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की स्थिति **समय के साथ पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बदलावों के कारण धीरे-धीरे बदलती** रहती है।
- **चुंबकीय दिक्पात (Magnetic Declination)** समय के साथ किसी स्थान पर बदलता रहता है। चुंबकीय दिक्पात **'चुंबकीय उत्तरी ध्रुव और 'भौगोलिक उत्तर' के बीच का कोण** है।
- कभी-कभी चुंबकीय ध्रुव **पोल रिवर्सल (ध्रुवों का उलट जाना)** से गुजरते हैं, यानी चुंबकीय उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव परस्पर स्थान बदल लेते हैं।
  - **पेलियोमैग्नेटिक रिकॉर्ड्स** के अनुसार, **पिछले 83 मिलियन वर्षों** में पृथ्वी के चुंबकीय ध्रुव **183 बार परस्पर स्थान बदल** चुके हैं।
- **संभावित प्रभाव:**
  - **नेविगेशन सिस्टम में त्रुटियां उत्पन्न** होती हैं;
  - **प्रवासी प्रजातियों** की उड़ान दिशा में भ्रम उत्पन्न हो सकता है;
  - **सौर तूफानों** से सैटेलाइट्स और पावर ग्रिड के संचालन में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं आदि।

पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र

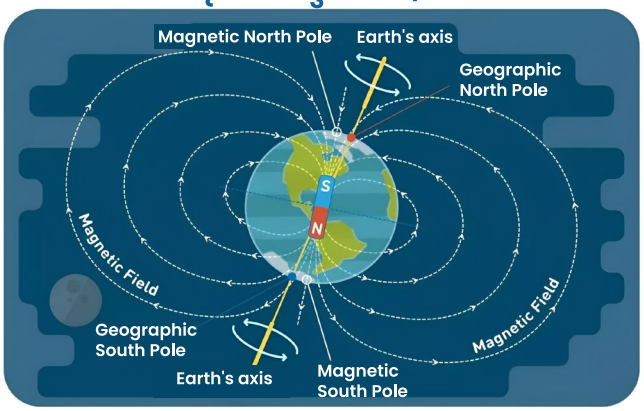

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि लाउडस्पीकर का उपयोग 'अनिवार्य धार्मिक प्रथा' नहीं

इस निर्णय में **बॉम्बे हाई कोर्ट ने महेश विजय केस (2016)** में अपने फैसले को फिर से दोहराया। इस फैसले में कहा गया था कि प्रार्थना या धार्मिक **प्रवचन के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं** है।

- महेश विजय केस (2016) में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के **चर्च ऑफ गॉड केस (2000)** का हवाला दिया। इस केस में यह निर्णय दिया गया था कि लाउडस्पीकर का उपयोग संविधान के **अनुच्छेद 19(1)(a) और अनुच्छेद 25** के तहत कोई मौलिक अधिकार नहीं है।

अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं के परीक्षण {Essential Religious Practices (ERP) test} के बारे में

- भारतीय न्यायपालिका **"अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं" का उपयोग धर्म की स्वतंत्रता से संबंधित मामलों में** निर्णय देने के लिए करती है। इससे कोर्ट को यह निर्धारित करने में मदद मिलती है कि कौन सी **धार्मिक प्रथा संबंधित धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं।**
- **अनिवार्य धार्मिक प्रथा परीक्षण** को सुप्रीम कोर्ट ने **श्री शिरूर मठ मामले (1954)** में प्रस्तुत किया था। इस मामले में धर्म के अर्थ में धार्मिक प्रथाओं को शामिल करके धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ाया गया था।
  - इसमें कोर्ट ने कहा था कि किसी धर्म का अनिवार्य हिस्सा क्या है, इसका **निर्धारण मुख्यतः उस धर्म के सिद्धांतों के संदर्भ** में किया जाना चाहिए।

अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं के परीक्षण से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के अन्य निर्णय

- **श्री आदि विशेश्वर वाद (1997):** कोर्ट ने मंदिर के धार्मिक और लौकिक कार्यों के बीच अंतर स्थापित किया।
- **आचार्य जगदीश्वरानंद वाद (2004):** कोर्ट ने कहा कि कोई प्रथा धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं, इसका निर्धारण इस बात से होता है कि **क्या उस प्रथा के अभाव से धर्म के मौलिक स्वरूप में बदलाव होगा या नहीं।**
- **शायरा बानो वाद (2017):** कोर्ट ने **ट्रिपल तलाक** को धर्म के मूल सिद्धांतों के खिलाफ माना और कहा कि **धर्म द्वारा केवल स्वीकृत या अप्रतिबंधित प्रथा को धर्म द्वारा स्वीकृत अनिवार्य या सकारात्मक सिद्धांत नहीं माना** जा सकता है।

वित्त मंत्रालय ने एकीकृत पेंशन योजना (UPS) की शुरुआत के संबंध में अधिसूचना जारी की

एकीकृत पेंशन योजना (UPS) **केंद्र सरकार के उन कर्मचारियों पर लागू होगी, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के अंतर्गत आते हैं और NPS के तहत इस विकल्प** को चुनते हैं।

- यह योजना **1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी** होगी। **पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA)** इसके संचालन के लिए नियम जारी कर सकता है।

एकीकृत पेंशन योजना (UPS) की मुख्य विशेषताओं पर एक नजर

- **सुनिश्चित पेंशन: 25 वर्ष** की न्यूनतम सरकारी सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को उनके **अंतिम 12 महीनों की सेवा के औसत मूल वेतन का 50% प्रतिमाह पेंशन** मिलेगी।
  - 25 वर्ष से कम लेकिन **न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा की स्थिति** में कर्मचारियों को उनके **सेवाकाल के अनुपात में या न्यूनतम 10,000 रुपए** प्रतिमाह पेंशन मिलेगी।
- **सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन:** पेंशन-धारक की **मृत्यु होने पर,** उसकी मृत्यु से पहले **पेंशन की 60%** राशि उसके परिवार को पेंशन के रूप में मिलेगी।
- **सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन:** न्यूनतम **10 वर्षों की सेवा के बाद प्रतिमाह 10,000 रुपये पेंशन** मिलेगी।
- **मुद्रास्फीति से समायोजन (Inflation Indexation):** सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन पर लागू होगा।
  - सर्विस कर्मचारियों के समान ही **"अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-औद्योगिक श्रमिक (AICPI-IW)"** पर आधारित **महंगाई राहत** के रूप में समायोजन किया जाएगा।
- **प्रत्येक पूर्ण छह माह** की सेवा के लिए **मासिक पारिश्रमिक** (वेतन + महंगाई भत्ता) के **1/10वें भाग** के बराबर **ग्रेच्युटी के अतिरिक्त** सेवानिवृत्ति पर **एकमुश्त भुगतान** किया जाएगा।

UPS (एकीकृत पेंशन योजना), NPS (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) और OPS (पुरानी पेंशन योजना) के बीच अंतर

मानदंड	UPS	NPS	OPS
किन पर लागू होगी	NPS के अंतर्गत सभी केंद्र सरकार के कर्मचारी।	2004 के बाद केंद्र सरकार के कर्मचारियों (सशस्त्र बलों को छोड़कर) के लिए अनिवार्य।	सरकारी कर्मचारी (केंद्र एवं राज्य)।
सुनिश्चित पेंशन	सेवा के अंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत।	कोई निश्चित पेंशन नहीं; बाजार से जुड़ा रिटर्न।	अंतिम प्राप्त वेतन का 50 प्रतिशत।
कर्मचारी अंशदान	वेतन का 10 प्रतिशत।	वेतन का 10 प्रतिशत।	कोई अंशदान नहीं
एकमुश्त राशि का भुगतान	सेवानिवृत्ति पर प्रदान किया जाएगा।	NPS कोष का 60% एकमुश्त निकाला जा सकता है।	पेंशन का 40% एकमुश्त राशि के रूप में निकाला जा सकता है।

अन्य सुर्ख़ियां

पीएम श्री/ PM SHRI योजना (PM स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया)

शिक्षा मंत्रालय (MoE) के अनुसार, **पांच राज्यों (मणिपुर, त्रिपुरा, राजस्थान, मेघालय और मध्य प्रदेश)** में पीएम श्री स्कूलों में छात्र नामांकन में लगभग **76% की वृद्धि** देखी गई है।

पीएम श्री योजना के बारे में

- यह **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020** के अनुरूप है।
- **नोडल मंत्रालय:** शिक्षा मंत्रालय।
- **प्रकार:** यह 2022 में शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- **अवधि:** 5 वर्ष यानी **2022-23 से 2026-27** तक।
- **उद्देश्य: केंद्र/ राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश की सरकार/ स्थानीय निकायों** द्वारा प्रबंधित **14,500 से अधिक पीएम श्री स्कूलों का विकास** करना।
- **वित्त-पोषण का पैटर्न:**
  - केंद्र और राज्य सरकारों तथा विधान सभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू व कश्मीर को छोड़कर) के बीच **60:40 का अनुपात।**
  - **पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू व कश्मीर** के लिए **90:10** का अनुपात।
  - **विधान सभा रहित केंद्र शासित प्रदेशों** के लिए **100%** का वित्त-पोषण

विक्टोरिया झील (Lake Victoria)

शोधकर्ताओं ने **विक्टोरिया झील की विनैम खाड़ी में सायनोबैक्टीरिया का आनुवंशिक सर्वेक्षण** किया।

विक्टोरिया झील के बारे में

- यह **ताजे जल की विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील** है। पहले स्थान पर **संयुक्त राज्य अमेरिका की सुपीरियर झील** है।
- यह **अफ्रीका की सबसे बड़ी झील** है।
- इसके साथ सीमा साझा करने वाले देश हैं: **तंजानिया, युगांडा, और केन्या।**

सायनोबैक्टीरिया के बारे में

- **सायनोबैक्टीरिया** या **नील हरित शैवाल** (blue-green algae) **प्रकाश संश्लेषण करने वाले सूक्ष्मजीव** हैं। ये **जलीय पारिस्थितिकी-तंत्र** में पाए जाते हैं।
- ये **धान और फलियों की खेती में नाइट्रोजन उर्वरक** प्रदान करने में सहायक होते हैं।
- **आर्कियन और प्रोटेरोज़ोइक युग के दौरान ऑक्सीजन-युक्त वायुमंडल के निर्माण** में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।
- हालांकि, सायनोबैक्टीरिया **ताज़े जल और समुद्री पर्यावरण में सघन व विषाक्त शैवाल प्रस्फुटन (Toxic blooms)** का कारण बन सकते हैं।
  - यह परिघटना **पारिस्थितिक-तंत्र को बाधित करती है और जल की गुणवत्ता को कम** करती है।

नैनो यूरिया

एक हालिया अध्ययन के अनुसार, **नैनो-यूरिया के निरंतर उपयोग से चावल और गेहूं की पैदावार कम** हो सकती है।

नैनो यूरिया के बारे में

- इसका विकास **इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोऑपरेटिव (IFFCO)** ने किया है। यह नैनो प्रौद्योगिकी पर आधारित एक **नवोन्मेषी कृषि उर्वरक** है। यह **पौधों की नाइट्रोजन आवश्यकता** को पूरा करता है।
- इस **उर्वरक में 4% नाइट्रोजन** होता है।
- नैनो यूरिया में मौजूद **नाइट्रोजन के कणों का आकार 20-50 नैनोमीटर** है। पारंपरिक यूरिया की तुलना में नैनो यूरिया में **प्रति इकाई क्षेत्र में अधिक सरफेस एरिया और कणों की अधिक संख्या** होती है।
- **नैनो-यूरिया के लाभ:**
  - पौधे पोषक तत्वों को उच्च दक्षता से अवशोषित कर पाते हैं।
  - खेतों से जल के साथ उर्वरक का रिसाव और गैस के रूप में उत्सर्जन को कम करके कृषि क्षेत्रों से **पोषक तत्वों के नुकसान को कम** करता है। इस तरह यह **पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम** करता है।
  - इसका **भंडारण और परिवहन सुरक्षित एवं आसान** है।

निवेश और बाह्य वाणिज्यिक उधार

हाल ही में, **भारतीय स्टेट बैंक** ने भारत के निवेश और बाह्य वाणिज्यिक उधार (ECB) परिदृश्य पर एक रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **हाउसहोल्ड निवल वित्तीय बचत:** यह वित्त वर्ष 2023 के **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की 5.0%** से बढ़कर **वित्त वर्ष 2024 में 5.3%** हो गई थी।
- **भौतिक परिसंपत्तियों में बचत** वित्त वर्ष 2023 की **GDP की 12.9%** से बढ़कर **वित्त वर्ष 2024 में 13.5%** हो गई थी।
- वित्त वर्ष 2023 में, सरकारी निवेश GDP का 4.1% हो गया था, जो वित्त **वर्ष 2012 के बाद सबसे अधिक** है।
- वित्त वर्ष 2023 में **प्राइवेट कॉर्पोरेट निवेश** बढ़कर GDP का 11.9% हो गया था। यह **वित्त वर्ष 2016 के बाद सबसे अधिक** है।
- **बाह्य वाणिज्यिक उधार (ECB) परिदृश्य:** सितंबर 2024 तक कुल बकाया ECB 190.4 **बिलियन डॉलर** था।
  - ECB वास्तव में रेजिडेंट संस्थाओं (भारत की संस्थाओं) द्वारा **विदेशी कर्जदाताओं से लिया गया वाणिज्यिक ऋण** है।

हरित ऊर्जा खुली पहुंच नियम, 2022

कर्नाटक हाई कोर्ट ने **विद्युत (हरित ऊर्जा खुली पहुंच के माध्यम से अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा) नियम, 2022** को रद्द कर दिया।

- कोर्ट ने कहा कि **केंद्र सरकार के पास इन विशिष्ट नियमों को बनाने का कोई अधिकार नहीं** है। साथ ही, यह भी कहा कि राज्य स्तर पर इनसे संबंधित आयोग को **हरित ऊर्जा खुली पहुंच को विनियमित करने के लिए अधिकृत** किया गया है।

हरित ऊर्जा खुली पहुंच नियम (GORA), 2022 के बारे में

- इन्हें **खुली पहुंच के माध्यम से हरित ऊर्जा के उत्पादन, खरीद और उपभोग को बढ़ावा देने के लिए अधिसूचित** किया गया है। इनमें अपशिष्ट-से-ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों से उत्पादित ऊर्जा को भी शामिल किया गया है।
- इन नियमों के तहत **किसी भी उपभोक्ता को ऊर्जा खरीद की अनुमति** दी गई है। **हरित ऊर्जा खुली पहुंच के तहत लेन-देन की सीमा 1 मेगावाट से घटाकर 100 किलोवाट** कर दी गई है।
  - इसका अर्थ है कि **100 किलोवाट की मांग वाले उपभोक्ता भी खुली पहुंच के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग** कर सकते हैं।

फेंटानिल

संयुक्त राज्य अमेरिका चीन से किए जाने वाले आयात पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। इसके पीछे अमेरिका ने **फेंटानिल की तस्करी** को कारण बताया है। अमेरिका के अनुसार **मैक्सिको और कनाडा** के ज़रिए चीन अमेरिका में फेंटानिल की तस्करी कर रहा है।

फेंटानिल के बारे में

- यह एक **प्रभावी सिंथेटिक ओपिओइड है, जिसे एनाल्जेसिक (दर्द से राहत) और एनेस्थीसिया के लिए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन** द्वारा अनुमोदित किया गया है।
- **एनाल्जेसिक** के रूप में यह **मॉर्फिन से लगभग 100 गुना अधिक, जबकि हेरोइन से 50 गुना अधिक प्रभावी** है।
- **ओपिओइड (फेंटानिल, ऑक्सीकोडोन, मॉर्फिन आदि), अफीम पोस्त में पाए जाने वाले प्राकृतिक पदार्थों से प्राप्त** की गई दवाएं हैं। इन्हें अफीम पोस्त में पाए जाने वाले प्राकृतिक पदार्थों की नकल करके भी तैयार किया जा सकता है।
- **सभी ओपिओइड एक जैसा काम करते हैं।** वे मस्तिष्क और शरीर में तंत्रिका कोशिकाओं के एक क्षेत्र को सक्रिय करते हैं, जिसे **ओपिओइड रिसेप्टर्स** कहा जाता है। ये ओपिओइड रिसेप्टर्स मस्तिष्क और शरीर के बीच दर्द के संकेतों को रोकते हैं।

पद्म पुरस्कार

गृह मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर **पद्म पुरस्कार 2025** की घोषणा की।

पद्म पुरस्कारों के बारे में

- ये पुरस्कार **1954 में शुरू** किए गए थे। ये देश के **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक** हैं।
- ये **राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में तीन निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं:**
  - **पद्म विभूषण:** असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए;
  - **पद्म भूषण:** उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए; तथा
  - **पद्मश्री:** किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए।
- ये पुरस्कार **विविध विषयों/ गतिविधियों से संबंधित क्षेत्रों** में दिए जाते हैं। जैसे- कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक कार्य, विज्ञान व इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि।
- **हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर** पर इनकी **घोषणा** की जाती है।

एटिकोप्पाका गुड़िया

गणतंत्र दिवस के अवसर पर **राष्ट्रपति के स्वागत समारोह में एटिकोप्पाका गुड़िया का प्रदर्शन** किया गया।

एटिकोप्पाका गुड़िया के बारे में

- **उत्पत्ति:** यह आंध्र प्रदेश के एटिकोप्पाका में 400 साल पुराना शिल्प है।
- इसे **2017 में आधिकारिक तौर पर भौगोलिक संकेतक (GI) टैग** दिया गया था।
- ये गुड़िया **अंकुड़ वृक्ष (राइटिया टिंक्टोरिया) की लकड़ी** से बनाई जाती हैं। यह लकड़ी अपने **कम वजन और चिकने बनावट** के लिए विख्यात है।
  - इस शिल्प में **कोई भारी धातु या विषाक्त वस्तु उपयोग नहीं** की जाती है।
- **प्राकृतिक तत्वों, जैसे- बीज, लाख, छाल, जड़ और पत्तियों** से बनाई जाती हैं।
- एटिकोप्पाका खिलौने बनाने की प्रक्रिया को **'टर्न्ड वुड लैकर क्राफ्ट' या 'थारिनी'** के नाम से जाना जाता है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

जॉर्जिया (राजधानी: त्बिलिसी)

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जॉर्जिया को **मलेरिया-मुक्त प्रमाणित** किया गया।

जॉर्जिया के बारे में

- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - यह **ट्रांसकॉकेशिया क्षेत्र** में स्थित देश है, जो **पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया** के बीच अवस्थित है।
  - **सीमावर्ती देश:** इसकी सीमाएं उत्तर और उत्तर-पूर्व में **रूस** से; पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व में **अज़रबैजान** से तथा दक्षिण में **आर्मेनिया व तुर्किये** से लगती हैं।
  - **सीमावर्ती जल निकाय:** इसके पश्चिम में **काला सागर** अवस्थित है।
- **भौगोलिक विशेषताएं**
  - **उच्चतम बिंदु:** माउंट शखरा (5,068 मीटर)।
  - **पर्वत श्रृंखलाएं:** ग्रेटर काकेशस रेंज, लेसर काकेशस रेंज आदि।
  - **प्रमुख नदियां:** इंगुरी, रियोनी, मटक्वारी, कोडोरी आदि।
  - **संघर्ष वाले क्षेत्र:** अब्खाज़िया, दक्षिण ओसेशिया और अजरिया।